एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 06, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2026)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

कृषि-पर्यटन एवं प्रसार रणनीतियाँ: एक समग्र अध्ययन

*राकेश पलसानिया, प्रियंका कर्दम एवं चेल्सी तोमर
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान
*संवादी लेखक का ईमेल पता: rakeshpalsaniya16@gmail.com

भारतीय कृषि वर्तमान समय में आय में स्थिरता, रोजगार सृजन, ग्रामीण युवाओं के पलायन और कृषि की घटती लाभप्रदता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है। इन परिस्थितियों में कृषि-पर्यटन (Agri-Tourism) एक नवोन्मेषी अवधारणा के रूप में उभरा है, जो कृषि और पर्यटन को एकीकृत कर किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने तथा शहरी-ग्रामीण संपर्क को मजबूत करने में सहायक है।

कृषि-पर्यटन की सफलता में कृषि प्रसार (Agricultural Extension) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रसार तंत्र किसानों को ज्ञान, कौशल, प्रबंधन, विपणन एवं नवाचार से जोड़ता है।

कृषि-पर्यटन की अवधारणा (Concept of Agri-Tourism)

कृषि-पर्यटन वह प्रक्रिया है जिसमें पर्यटक खेतों, ग्रामीण परिवेश एवं कृषि आधारित गतिविधियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करते हैं तथा किसान इससे अतिरिक्त आय अर्जित करते हैं।

परिभाषा

"कृषि-पर्यटन वह पर्यटन गतिविधि है जिसमें पर्यटकों को कृषि फार्म, ग्रामीण जीवनशैली, पारंपरिक भोजन, लोक संस्कृति एवं कृषि कार्यों में भागीदारी का अवसर मिलता है।"

कृषि-पर्यटन के प्रमुख घटक (Components of Agri-Tourism)

फार्म आधारित गतिविधियाँ बुवाई, कटाई, दुग्ध दुहना बागवानी, जैविक खेती का प्रदर्शन ग्रामीण जीवन अनुभव मिट्टी के घर, ग्रामीण रहन-सहन लोक संगीत, नृत्य, मेले स्थानीय भोजन एवं उत्पाद देसी व्यंजन मूल्य संवर्धित उत्पाद (अचार, जैम, शहद) शैक्षणिक गतिविधियाँ स्कूल/कॉलेज टूर कृषि प्रशिक्षण एवं डेमो |

कृषि प्रसार (Agricultural Extension) की भूमिका

कृषि प्रसार वह शैक्षणिक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से किसानों तक नवीन तकनीक, जानकारी एवं कौशल पहुँचाया जाता है। कृषि-पर्यटन में प्रसार की भूमिका किसानों को कृषि-पर्यटन मॉडल से परिचित कराना उद्यमिता एवं प्रबंधन कौशल विकास पर्यटक-अनुकूल व्यवहार (Hospitality Skills) डिजिटल मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग प्रशिक्षण |

कृषि-पर्यटन हेतु प्रमुख प्रसार रणनीतियाँ (Extension Strategies for Agri-Tourism)

प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण: ऑन-फार्म प्रशिक्षण, KVK द्वारा Agri-Tourism मॉड्यूल ,महिला एवं युवा किसानों के लिए विशेष प्रशिक्षण |

ICT आधारित प्रसार रणनीतियाँ: मोबाइल ऐप्स, सोशल मीडिया, वेबसाइट, गूगल मैप लोकेशन एवं वर्चुअल फार्म टूर

सहभागी प्रसार दृष्टिकोण (Participatory Extension): Farmer-to-Farmer Learning,SHGs एवं FPOs की भागीदारी सफल मॉडल का Exposure Visit

विपणन एवं ब्रांडिंग रणनीतियाँ: Farm Stay ब्रांडिंग राज्य पर्यटन विभाग से लिंक Agri-Tourism Circuit विकास |

सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP): NGO, Private Tour Operators, कृषि विश्वविद्यालय एवं पर्यटन विभाग का समन्वय |

भारत में कृषि-पर्यटन की स्थिति

भारत में कृषि-पर्यटन विशेष रूप से निम्न राज्यों में सफल रहा है: महाराष्ट्र – Agri-Tourism Development Corporation केरल – Farm Tourism कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान – ग्रामीण पर्यटन मॉडल सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण पर्यटन नीति, आत्मनिर्भर भारत, Doubling Farmers' Income जैसे कार्यक्रमों में कृषि-पर्यटन को समर्थन दिया गया है।

कृषि-पर्यटन के लाभ (Benefits of Agri-Tourism)

किसानों के लिए अतिरिक्त एवं स्थायी आय रोजगार सृजन जोखिम का विविधीकरण ग्रामीण समाज के लिए पलायन में कमी महिला सशक्तिकरण ग्रामीण संस्कृति का संरक्षण पर्यावरणीय लाभ जैविक खेती को बढ़ावा सतत कृषि प्रणाली |

चुनौतियाँ एवं सीमाएँ (Challenges and Constraints)

प्रशिक्षण एवं जागरूकता की कमी प्रारंभिक निवेश विपणन एवं नेटवर्क की कमजोरी नीति एवं दिशानिर्देशों की अस्पष्टता |

भविष्य की संभावनाएँ (Future Prospects)

डिजिटल Agri-Tourism प्लेटफॉर्म कृषि विश्वविद्यालयों की सक्रिय भूमिका पाठ्यक्रम में Agri-Tourism को शामिल करना अंतरराष्ट्रीय ग्रामीण पर्यटन से सीख |

निष्कर्ष (Conclusion)

कृषि-पर्यटन भारतीय कृषि को आय-उन्मुख, उद्यमशील एवं टिकाऊ बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। इसकी सफलता के लिए सुदृढ़ कृषि प्रसार रणनीतियाँ, बहु-संस्थागत सहयोग एवं नीति समर्थन आवश्यक है। यदि कृषि-पर्यटन को योजनाबद्ध रूप से लागू किया जाए, तो यह ग्रामीण विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध हो सकता है।

संदर्भ

1. स्वानसन, बी.ई., बेंट्ज़, आर.पी., और सोफ्रैंको, ए.जे. (1997). एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन में सुधार। FAO, रोम।
2. FAO (2018). एग्रीटूरिज्म और रूरल डेवलपमेंट। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन।
3. फिलिप, एस., हंटर, सी., और ब्लैकस्टॉक, के. (2010). एग्रीटूरिज्म को डिफाइन करने के लिए एक टाइपोलॉजी। टूरिज्म मैनेजमेंट।
4. भारत सरकार (2020). किसानों की इनकम डबल करने की रिपोर्ट। नीति आयोग।
5. सिंह, आर., और कौर, बी. (2016). एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन। कल्याणी पब्लिशर्स।
6. WTO (2019). टूरिज्म और रूरल डेवलपमेंट। वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन।